बिहार सरकार
लघु जल संसाधन विभाग
मुख्यालय, अनुश्रवण

संoसंo–लoसिंoमोo–अनियमितता–229/2020– 1513 (मो०) /पटना, दिनांक– 30/7/2020

प्रेषक,

शैलजा शर्मा, भाoप्रoसेo
संयुक्त सचिव,
लघु जल संसाधन विभाग, पटना।

सेवा में,

जिला पदाधिकारी–सह–
जल–जीवन–हरियाली अभियान नोडल पदाधिकारी,
सहरसा।

विषयः–सहरसा जिलान्तर्गत "मत्स्यगंधा झील के जीर्णोद्धार एवं पुर्नस्थापन कार्य के अन्तर्गत क्रियान्वित हो रही योजना में अनियमितता बरतने के सम्बन्ध में।

प्रसंगः–**माननीय मंत्री के गैoसoप्रoसंo–775, दिनांक– 07.07.2020**

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में **श्री किशोर कुमार, पूर्व सदस्य, बिहार विधान सभा** द्वारा सूचित किया गया है कि सहरसा जिलान्तर्गत कटैया प्रखण्ड में जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत् क्रियान्वित हो रही "मत्स्यगंधा झील के जीर्णोद्धार एवं पुर्नस्थापन कार्य में" अनियमितता बरती जा रही है।

प्रासंगिक पत्र की छाया–प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि पत्र में वर्णित योजना की तटस्थ जांच किसी वरीय पदाधिकारी एवं अन्य विभाग के अभियन्ता से कराया जाय तथा विस्तृत जांच प्रतिवेदन विभाग को शीघ्र उपलब्ध कराया जाय।

अनु०– यथोक्त

विश्वासभाजन,

30/7/2020

संयुक्त सचिव,
लघु जल संसाधन विभाग, पटना।

ज्ञापांक– 1513 (मो०) /पटना, दिनांक– 30/7/2020

प्रतिलिपि–अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई अंचल, सहरसा/मुख्य अभियन्ता, लघु जल संसाधन विभाग, भागलपुर को सूचनार्थ एवं अनुरोध किया जाता है कि आप अपने स्तर से भी प्रासंगिक पत्र में वर्णित योजना की जांच कर लें। योजना का कार्य प्राक्कलन विशिष्टियों के अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित की जाय।

30/7/2020

संयुक्त सचिव,
लघु जल संसाधन विभाग, पटना।

ज्ञापांक– 1513 (मो०) /पटना, दिनांक– 30/7/2020

प्रतिलिपि– श्री किशोर कुमार, पूर्व सदस्य, बिहार विधान सभा, ग्रा०+पो०–रौता, थाना–सौरबाजार, जिला सहरसा को सूचनार्थ प्रेषित।

30/7/2020

संयुक्त सचिव,
लघु जल संसाधन विभाग, पटना।

ज्ञापांक– 1513 (मो०) /पटना, दिनांक– 30/7/2020

प्रतिलिपि– आप्त सचिव, माननीय विभागीय मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, बिहार को सूचनार्थ प्रेषित।

30/7/2020

संयुक्त सचिव,
लघु जल संसाधन विभाग, पटना।

किशोर कुमार
सदस्य
बिहार विधान सभा

पटना

दिनांक 24.06.2020

मंत्री कोषांग
लघु जल संसाधन विभाग,
बिहार, पटना।
गै०स०प्रे०सं० 775
दिनांक 07/07/2020

सेवा में,
लघु जल संसाधन विभाग, सहरसा
बिहार, पटना

विशयः– मत्स्यगंधा झील सहरसा सिचाई योजना के कायाकल्प में घोर अनियमिता के सबंध में।

महोदय,

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "जल जीवन हरियाली" अभियान के अन्तर्गत लघु जल संसाधन विभाग के द्वारा सहरसा जिले के सत्तर कटैया प्रखण्ड के मत्स्यगंधा झील 1500 मीटर X 200 मीटर का जीर्णोधार एवं पुर्नस्थापन का कार्य जिसकी कुल लागत 7.47 करोड़ रूपया की स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा दी गई हैं। मत्स्यगंधा झील का इतिहास 23 साल पूराना हैं। तत्कालिन कलक्टर श्री तेजनारायण लाल दास ने भाहर के उत्तरी भाग स्थिति जल कुंभी से भरे जंगल, जहाँ लोगों का पोस्टमाटम होता था, लावारीस लाश को उसी जंगल में फेक दिया जाता था, उस बेकार स्थल को उन्होने सघन रोजगार योजना के तहत 54 लाख की राशि खर्च कर से अत्यंत मनोरम एवं पर्यटन स्थल का रूप दिया। जहाँ आस–पास के जिले के लोगों की भारी भीड़ होती थी। तत्तकालिन जिला अधिकारी टी.एन. लाल दास झील के दक्षिण में भव्य काली मंदिर एवं चौसठ योगनी मंदिर का निर्माण सहरसा के जन सहयोग से करवाया। तत्तकालिन पर्यटन मंत्री आशोक कुमार सिंह जी ने पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटको के ठहरने के लिए सुन्दर कोशी बिहार होटल का निर्माण करवाया। जहाँ लोगों के आस्था का केन्द्र मंदिर बना, वही यह झील उत्तर बिहार का सबसे खुबसूरत प्रर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुआ। इतना ही नहीं देश –विदेश से पर्यटक यहाँ आने लगे। झील में बड़े पैमाने पर नौकायान होने लगा। भाम का फब्बारा आर्कशण का केन्द्र हो गया। झील में मछली पालन बड़े पैमाने पर हुआ। बाद के दिनों में झील रख रखाव के अभाव में अपनी प्रासंगीता खो दिया। गाढ भर जाने के कारण सालो भर पानी का संचयन संभव नहीं हो सका। महत्वाकाक्षी योजना पर्यटन स्थल धीरे – धीरे मृतप्रायः हो गया। आमजन–जनप्रतिनिधि द्वारा लगातार इस स्थल के जीर्णोधार का माँग समय समय पर करते रहे। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी जब विकास यात्रा में सहरसा आए तो इस स्थल का व दौरा किए थे। उन्होने तत्तकालिन जिला अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल को आदेश दिया था कि जल्द से जल्द इसकी जीर्णोधार को D.P.R बनाकर विभाग को भेजे। नीतीश कुमार जी की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "जल जीवण हरियाली" अभियान के तहत युद्व स्तर पर पोखर, आहार– पेइन का जीर्णोधार कार्य प्रारंभ हुआ तब इस योजना की स्वीकृति तत्तकालिन मंत्री लघु जल संसाधन विभाग श्री दिनेश चंद्र यादव ने दी। जिससे आम लोगों में भारी प्रसन्ता हुई।

इसका निविदा हुआ। कार्य पूरा करने का समय 15 जून 2020 रखा गया। झील की वर्तमान स्थिति से 2 मीटर गहराई और बढ़ाने का प्रांकलन बना। इसकी गहराई बढ़ जाने से जल संग्रह क्षमता में लगभग 6 लाख घनमीटर की और वृद्धि हो जाएगी।

प्रधान सचिव
कृपया पूर्व लघु सहरसा की अनुशंसा के आलोक में लगाये गये आरोप की जाँच कराकर न्यायोचित कार्रवाई करें। नरेन्द्र ना. यादव

(नरेन्द्र नारायण यादव)
मंत्री
लघु जल संसाधन एवं विधि विभाग

योजना का कार्य पूणरूप होन पर मतस्यगंधा झील में सालों भर पानी का जमा रहना सूनिश्चित किया जा रहा है। लेकिन 15 जून बीत गया। मिट्टी की कटाई डेर से दो फीट मात्र किया गया। कई बड़े भू–भाग पर मिट्टी भी उड़ाही नहीं किया गया। मै दिनांक 22 जून 2020 को सुपौल जा रहा था तो रूक कर हो रहे कार्य का निरक्षण किया, मैंने कुछ फोटोग्राफि भी ली जो वाट्सब के द्वारा आपको भेज रहा हुं। वहाँ कार्य में लगे पौकलेन बांध के किनारे मिट्टी स्लोप को बड़ा कर रहा था जो एक बड़ा धोखा हैं। वारिस प्रारंभ हुई, अत्यधिक वर्शा होने पर वह सभी मिट्टी झील में चली जाएगी। जनहित में यह महत्वाकांक्षी योजना फिर पूरानी स्थिति में आ जाऐगी। प्राकलन के प्रतिकुल कार्य Natural Justice के विरूद्ध है। मुझे लगा की मैं इस बात की सुचना आप को दूँ, क्योंकि आपने पार्दशिता के साथ कार्य प्रारंभ किया। मतस्यगंधा झील इस इलाके के लोगों के भावना से जूड़ा हुआ है। तत्तकालिन जिला अधिकारी श्री तेजनारायण लाल दास जी के द्वारा यह कार्य किया गया जो लोगो के स्मृति से कभी विलुप्त नहीं हो सकता है।

अतः हम आपसे माँग करते है की इस योजना में बरती जा रही अनियमिता की जाँच की जाए। इसके भूगतान् पर रोक लगाया जाए। प्राकलन के अनुरूप कार्य किया जाय। कार्य में बरती गई भ्रश्टाचार के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाय तथा इस योजना की मौनेटरिंग अपने स्तर से की जाए।

भवदीय
24.06.2020
किशोर कुमार
पूर्व विधायक सह भाजपा नेता
ग्राम + पो – रौता, थाना – सौरबाजार, जिला– सहरसा
मो0–9431810557 / 8789189662

प्रतिलिपी–

1. श्री नीतीश कुमार
   माननीय मुख्यमंत्री बिहार, पटना
2. श्री नरेंन्द्र नारायण यादव
   माननीय मंत्री जल संसाधन विभाग
3. श्री दिनेश चन्द्र यादव
   माननीय सांसद, मधेपुरा
4. प्रधान सचिव, लघु जल संसाधन विभाग बिहार
5. श्री नर्मदेश्वर लाल, प्रभारी सचिव सहरसा